मलेशिया से नारियल का आयात

399. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान मलेशिया से नारियल के तेल का आयात किया जा रहा था ;

(ख) 1985 से 1991 तक किन-किन देशों से और किन-किन गैर सरकारी पार्टियों से नारियल के तेल का आयात किया गया तथा उसकी मात्रा कितनी थी और वह किस मूल्य पर आयात किया गया था ; और

(ग) यह आयात सरकार द्वारा सीधे ही किया गया था या किन्हीं एजेन्टों के माध्यम से, उसका पूरा ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०चिदम्बरम) : (क) से (ग) एस०टी०सी० ने, जो कि खाद्य तेलों के आयात के लिए एक सारणीकृत एजेन्सी है, वर्ष 1985-1991 की अवधि के दौरान नारियल के तेल का कोई आयात नहीं किया ।

नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला

370. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल**: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवम्बर, 1991 से दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है ;

(ख) इस मेले में कौन-कौन से देश भाग ले रहे हैं ;

(ग) अधिकतम संख्या में देश इस मेले में भाग लें, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है ;

(घ) इस मेले में भाग ले रही भारतीय फर्मों के नाम क्या हैं ; और

(ङ) भारतीय माल की विदेशों में मांग बढ़ाने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) जी, हां ।

(ख) 17 देशों अर्थात अफगानिस्तान, बंगलादेश, बाजील, भूटान, साइप्रास, हंगरी, हांगकांग, इटली, नाम्बिया, नेपाल, नाइजीरिया पोलैंड, रोमानिया, फिलिस्तीन राज्य, श्रीलंका, यू०एस०ए स०आर० और वियतनाम ने राष्ट्र स्तर पर भाग लिया । इसके अतिरिक्त यू० के० से 3 कंपनियां आयरलैण्ड फ्रांस, इटली उकेरियन चैंबर्स आफ कामर्स तथा उजबेकिस्तान चैंबर्स आफ कामर्स से एक-एक कंपनी ने भाग लिया ।

(ग) विदेशी सरकारी तथा व्यापार परिसंघ, चैम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री आदि ने निम्नलिखित के माध्यम से मेलों में भाग लिया :--

(i) विदेश में हमारे मिशन ।

(ii) भारत में राजनयिक मिशन ।

(iii) हमारे मिशनों और फारेन चैंबर्स आफ कामर्स एंड एसोसिएशन द्वारा विदेश व्यापार पत्रिकाओं और अखबारों में प्रसार ।

(iv) विदेशी जर्नलों में विज्ञापन ।

(v) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा सीधे प्रचार ।

(घ) 327 भारतीय फर्मों ने इस मेले में सीधे ही भाग लिया । लगभग 2500 फर्म राज्य तथा विदेशी पैविलियनों के माध्यमों से भाग ले रही है । सीधे ही भाग लेने वाली फर्मों के नामों को दर्शाने वाली सूची अनुपत्र में दी गई है । [देखिए परिशिष्ट 161 अनुपत्र सं07]

(ङ) टी० एफ० ए० आई० भारतीय वस्तुओं तथा प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करने के लिए वर्ष में 35/40 विदेशी मेलों में भाग लेता है । वह क्रेताओं को आकृष्ट करने के लिए भारत में वर्ष में लगभग 15 मेलों की भी व्यवस्था करता है । निर्यात संवर्धन की दृष्टि से हमारे विदेश मिशनों के माध्यम से भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में विदेशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल आमंत्रित किए जाते है । इसके अतिरिक्त विभिन्न व्यापार जर्नलों के माध्यम से भारत की निर्यात क्षमता को दर्शाकर विदेशों में प्रचार भी किया जाता है । फोरेन चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोसिएशनों से व्यापारी दर्शकों को भेजने के लिए अनुरोध किया जाता है । विदेशों में हमारे मिशनों के वाणिज्यिक स्कंधों, व्यापार विकास प्राधिकरण और इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद् तथा निर्यात संवर्धन संगठन भी भारतीय उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए कार्य करते हैं ।

371. [*Transferred to the 2nd December*, 1991]

Export Policy

372. PROF. SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the export-trade of the country has not indicated any sign of improvement since the past three months despite repeated relaxation in the export policy;

(b) whether some of the overseas buyers are refusing to entertain Indian goods unless substantial imports are undertaken by the Indian importers;

(c) whether Government have taken effective measures in the matter; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir. According to provisional figures, the monthly level of exports have increased from Rs. 2573 crores in June 1991 to Rs. 3313 crores in July 1991, to Rs. 3441 crores in August 1991 and further to Rs. 3656 crores in September, 1991.

(b) No such specific case has been brought to the notice of the Government.

(c) and (d) Does not arise.

373. [*Transferred to the 6th December*, 1991]

Setting up of export promotion cell or Directorate by the State Governments

374. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have directed State Governments to set up separate export promotion cells or directorate of export promotion to deal exclusively with the problems faced by exporters;

(b) if so, whether any of the State Governments have set up the said export promotion cell or directorate; and

(c) what is the extent to which the exports will increase as a result of this step of the Central Government?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir. Various State Governments have been requested to set up separate export promotion cells or directorates in the State Secretariat to deal with the problems of exporters.